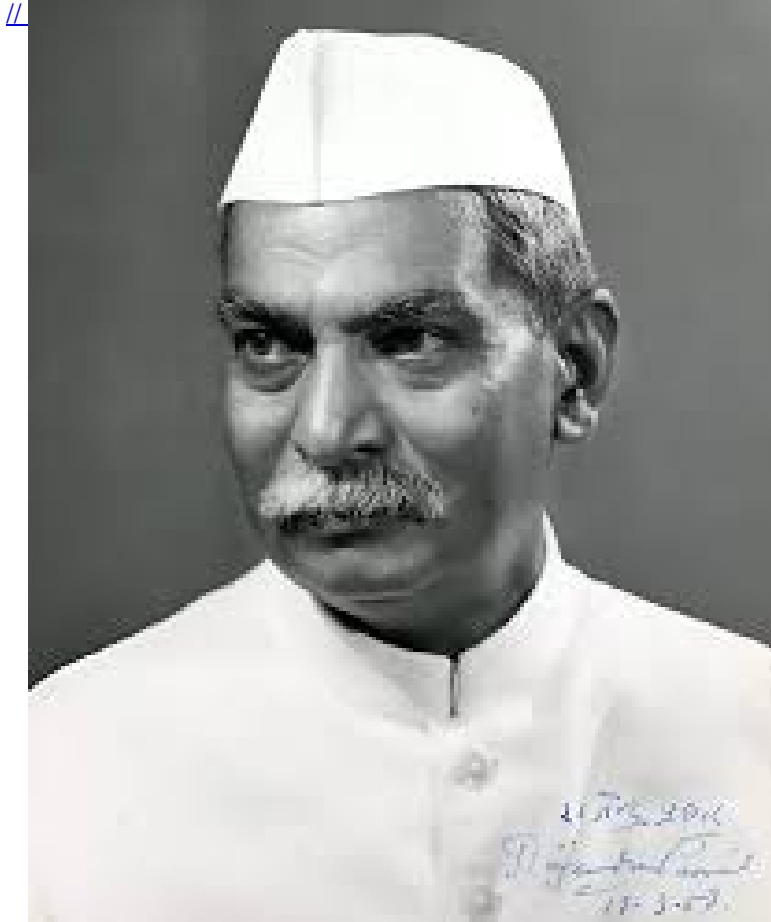


राजेंद्र प्रसाद जयंती

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने देश के प्रथम [राष्ट्रपति भारत रत्न](#) डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।



मुख्य बटु

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दसिंबर, 1884 को बहिर के सविान ज़लि के जीरादेई में हुआ था।
- शकिषा:
 - उन्होंने 1902 में कलकत्ता प्रेसीडेंसी कॉलेज में प्रवेश लिया।
 - 1915 में प्रसाद ने कलकत्ता विश्वविद्यालय के वधि विभाग से वधि में स्नातकोत्तर की परीक्षा दी, परीक्षा उत्तीरण की और स्वरण पदक जीता।
 - 1916 में उन्होंने पटना उच्च न्यायालय से अपना कानूनी करियर शुरू किया। 1937 में उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से कानून में डॉक्टरेट की उपाधि प्रापत की।
- स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका:
- गांधीजी से संबंधित:

- जब **गांधीजी** बहिर के चंपारण ज़िले में स्थानीय किसानों की शिकायतों के समाधान के लिये तथ्य-खोज अभियान पर थे, तो उन्होंने **राजेंद्र प्रसाद** को स्वयंसेवकों के साथ चंपारण आने के लिये बुलाया।
- चंपारण **सत्याग्रह** ने न केवल उन्हें महात्मा गांधी के करीब ला दिया, बल्कि उनके जीवन की पूरी दिशा ही बदल दी।
- **1919 के रॉलेट एक्ट** और **1919 के जलियाँवाला बाग हत्याकांड** ने राजेंद्र प्रसाद को गांधीजी के करीब ला दिया।
- **असहयोग का आह्वान:**
 - डॉ. प्रसाद ने **गांधीजी के असहयोग आंदोलन** के तहत बहिर में असहयोग का आह्वान किया।
- **नमक सत्याग्रह:**
 - मार्च 1930 में गांधीजी ने **नमक सत्याग्रह** शुरू किया। डॉ. प्रसाद के मार्गदर्शन में **बहिर के नखास तालाब** में नमक सत्याग्रह शुरू किया गया।
- **डॉ. प्रसाद और भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस:**
 - वह 1911 में कलकत्ता में आयोजित **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** के वार्षिक अधिवेशन के दौरान आधिकारिक रूप से इसमें शामिल हुए।
 - उन्होंने **अक्टूबर 1934 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के बम्बई अधिवेशन** की अध्यक्षता की।
 - अप्रैल 1939 में कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष पद से **सुभाष चंद्र बोस** के त्याग-पत्र के बाद वे दूसरी बार अध्यक्ष चुने गये।
 - 1946 में वे **पंडित जवाहरलाल नेहरू** की अंतरिम सरकार में खाद्य एवं कृषि मंत्री के रूप में शामिल हुए और “अधिक खाद्यान्न उगाओ (Grow More Food)” का नारा दिया।
- **डॉ. प्रसाद और संविधान सभा:**
 - जुलाई 1946 में जब **भारत का संविधान** बनाने के लिये **संविधान सभा** की स्थापना हुई तो वे इसके अध्यक्ष चुने गए।
- **डॉ. प्रसाद की अध्यक्षता में संविधान सभा की समितियों में शामिल हैं:**
 - राष्ट्रीय ध्वज पर तदर्थ समिति
 - प्रक्रिया नियमों पर समिति
 - वित्त और करमचारी समिति
 - संचालन समिति
- **26 जनवरी, 1950** को स्वतंत्र भारत का संविधान स्वीकृत हुआ और वे **भारत के प्रथम राष्ट्रपति** चुने गए।
- **पुरस्कार एवं सम्मान:**
 - **1962** में, राष्ट्रपति के रूप में 12 वर्षों के बाद, **डॉ. प्रसाद सेवानिवृत्त हुए** और तत्पश्चात उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार **भारत रत्न** से सम्मानित किया गया।
 - डॉ. प्रसाद ने अपने जीवन और स्वतंत्रता से पहले के दशकों को कई पुस्तकों में दर्ज किया, जिनमें शामिल हैं:
 - चंपारण में सत्याग्रह
 - भारत वभिजति
 - उनकी आत्मकथा "आत्मकथा"
 - महात्मा गांधी और बहिर, कुछ यादें
 - बापू के कदमों में
- **मृत्यु:**
 - डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपने जीवन के अंतिम कुछ महीने पटना के सदाकत आश्रम में संन्यास में व्यतीत किये। 28 फरवरी, 1963 को उनका निधन हो गया।